सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 231 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 12 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

अश्विनी पोनप्पा-तनीषा बनीं युगल... 7 | परिवारवाद से निकल नहीं पा रही... 3 | जनता से जुड़े मुद्दे जस के तस... 2

शपथ से पहले ही मध्य प्रदेश के सीएम विपक्ष के निशाने पर आए

» कांग्रेस बोली- भ्रष्टाचार में डूबें हैं मोहन यादव

» जदयू व अन्य विपक्षी दलों ने अभद्र भाषा वाले सीएम के वीडियो जारी किए

» जयराम बोले- क्या यही है पीएम मोदी की गारंटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री अभी शपथ नहीं ले पाए हैं पर उनपर आरोपों की झड़ी लग गई है। उनके पुराने बयानों व वीडियो के माध्यम से कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों ने उनपर जमकर हमला बोला है। उनके ऊपर हमले के बहाने मोदी भी निशाने पर आ गए हैं। यहीं नहीं बिहार में जदयू भी उन पर हमलावर है। जैसा कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव को चुनकर पूरे देश को हैरान कर दिया है।

मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री घोषित करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने मंगलवार (12 दिसंबर) को बीजेपी पर तंज करते हुए कहा कि मोहन यादव पर कई गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने मोहन यादव के खिलाफ बड़े पैमाने पर हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं, उन्होंने उज्जैन मास्टर प्लान पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या यही राज्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है। उधर विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के बहाने बीजेपी यूपी, बिहार, हरियाणा के यादव बाहुल्य क्षेत्रों को लोक सभा चुनावों में साधने की योजना बना रही है।

वीडियो में गाली गलौज करते नजर आ रहे हैं भावी सीएम : जयराम

जयराम रमेश ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर कहा,चुनाव नतीजों के आठ दिन बाद बीजेपी ने मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना, एक ऐसा व्यक्ति जिसके खिलाफ उज्जैन मास्टरप्लान में बड़े पैमाने पर हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप है। उन्होंने कहा, सिंहस्थ के लिए आरक्षित 872 एकड़ जमीन में से भू-उपयोग बदलकर जमीन अलग कर दी गई। उनके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है, इनमें वह गाली-गलौज करते, धमकी देते और आपत्तिजनक बयान देते नजर आ रहे हैं। रमेश ने प्रधानमंत्री के मोदी की गारंटी वाले बयान पर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, क्या यह मध्य प्रदेश के लिए मोदी की गारंटी है? रमेश ने अपने दावों के समर्थन में एक न्यूज क्लिपिंग भी शेयर की है। आपको बता दें कि बीजेपी की मध्य प्रदेश इकाई ने सोमवार को मोहन यादव को राज्य का अगला मुख्यमंत्री घोषित किया है। निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद यह घोषणा की। यह निर्णय राज्य की राजधानी में पार्टी की विधायी बैठक के बाद आया। 58 वर्षीय मोहन यादव तीन बार से विधायक रहे हैं, इस बार उन्होंने उज्जैन दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीता। यादव ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 2013 में जीता और 2023 सहित लगातार तीन चुनावों में विजयी रहे, अब उनके मुख्यमंत्री के तौर पर चुने जाने के बाद बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी जदयू ने भी उनके पुराने वीडियो के जरिए निशाना साधा है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कल होगा शपथग्रहण

दोनों जगह पीएम मोदी होंगे शामिल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 13 दिसंबर बुधवार शपथग्रहण होगा और दोनों कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। मध्य प्रदेश में सुबह 11.30 बजे से मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। तीन बार के विधायक रहे मोहन यादव को मध्य प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री चुना गया है। वहीं, छत्तीसगढ़ के नव नियुक्त मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दोपहर चार बजे साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित कायक्रम में शपथ ग्रहण करेंगे। मध्य प्रदेश और छत्तीगढ़ दोनों जगह शपथ ग्रहण की तैयारियां जोरों पर चल रही है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होने जा रहे हैं।

विपक्ष के पेट में क्यों हो रहा दर्द : भाजपा

विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे आने के एक हफ्ते बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मध्य प्रदेश में मोहन यादव के रूप में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया। इसके बाद बीजेपी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर हमला किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव को समाज ने नहीं बल्कि पिताओं ने मुख्यमंत्री बनाया है। गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन ने कहा, मध्य प्रदेश के उस समाज को बधाई जिस समाज को काफी समय से वंचित रखा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बहुत बड़ा संदेश दिया है, जिसको लोग समझ नहीं पाए हैं। बीजेपी सांसद ने आगे कहा, ये नाम किसी ने नहीं सोचा था जो आज चर्चा का विषय बन गया है। लोग गूगल पर उनके बारे में सर्च कर रहे हैं। इसके अलावा बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने भी जमकर हमला करते हुए कहा, बीजेपी कैडर बेस संगठन है जहां पर किसी भी कार्यकर्ता को दायित्व सौंपा जा सकता है, ये कोई एक परिवार का दल नहीं है, किसी जाति का समूह नहीं है, जो जाति आधारित दल हैं उन सभी के पेट में दर्द हो रहा है। चाहे छत्तीसगढ़ हो या मध्य प्रदेश दोनों ही जगह पर सामान्य कार्यकर्ता को दायित्व सौंपा गया है और इससे विपक्षी दलों के पेट में जरूर दर्द हो रहा है।

राजनाथ जयपुर पहुंचे, आज मिल सकता है सीएम

शाम को विधायक दल की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में नए मुख्यमंत्री की घोषणा आज को हो सकती। आज शाम चार बजे भाजपा विधायक दल की बैठक जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में होगी। विधायकों को सुबह ग्यारह बजे के बाद प्रदेश मुख्यालय बुलाया गया है। वसुंधरा राजे के साथ बालकनाथ योगी गजेंद्र सिंह शेखावत दीया कुमारी जैसे नेताओं के नाम सीएम पद की रेस में आगे चल रहे हैं।दोपहर 1:30 बजे से बीजेपी के सभी नव-निर्वाचित विधायकों का रजिस्ट्रेशन शुरू होगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक शाम 4 बजे प्रदेश कार्यालय में होगी। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा ने सीएम का एलान कर दिया है। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या राजस्थान में भी नए चेहरे को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी जाएगी। जयपुर के लिए राजनाथ सिंह रवाना हो चुके हैं। बता दें कि राज्य में वसुंधरा राजे के साथ बालकनाथ योगी, गजेंद्र सिंह शेखावत, दीया कुमारी, अश्विनी वैष्णव के नाम सीएम पद की रेस में हैं।

जो फैसला होगा वो सामूहिक होगा : जोगेश्वर

विधायक दल की बैठक से पहले जोगेश्वर गर्ग ने कहा जो फैसला नहीं मानेगा वो अपराधी होगा। सीएम पद को लेकर जो भी निर्णय होगा वो सामूहिक होगा।। वहीं वसुंधरा और विधायकों की मुलाकात जारी है। उधर बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड़ का कहना है कि, राजनीति संभावनाओं का खेल है, हमारे विधायक आज शाम तय करेंगे कि सीएम कौन होगा। यह राजस्थान के लिए ऐतिहासिक दिन है। राजस्थान बीजेपी प्रमुख सीपी जोशी ने विधायक दल की बैठक को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि शाम 5 बजे के बाद सीएम पद को लेकर सब कुछ साफ हो जाएगा और मैं इस रेस में नहीं हूं। वसुंधरा राजे के आवास पर विधायक काली चरण सर्राफ, बाबू सिंह राठौर और विधायक गोपाल शर्मा पहुंचे। राजनाथ सिंह समेत तीनों पर्यवेक्षक जयपुर की होटल ललित में ठहरेंगे। दोपहर के भोजन के बाद विधायकों और बड़े नेताओं से मिलेंगे।

अभी और बढ़ेंगी महुआ की मुश्किलें, अब घर भी छिनेगा

» संसद की आवास समिति का बंगला खाली करने का निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों पर लोकसभा से निष्कासित किए जाने के कुछ दिनों बाद, संसद की आवास समिति ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर टीएमसी नेता को अपना आधिकारिक बंगला खाली करने का निर्देश देने के लिए कहा।

जानकारी के मुताबिक महुआ मोइत्रा को 30 दिन में सरकारी आवास खाली करने का नोटिस भेजा गया है। मोइत्रा को 8 दिसंबर को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था, जब सदन ने अपनी आचार समिति की रिपोर्ट को अपनाया था, जिसमें उन्हें संसद में प्रश्न पूछने के लिए एक व्यवसायी से उपहार और अवैध संतुष्टि स्वीकार करने का दोषी ठहराया गया था। दरअसल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दायर शिकायत पर शुरू की गई आचार समिति की जांच में मोइत्रा को अनैतिक आचरण और अपनी लोकसभा वेबसाइट लॉगिन क्रेडेंशियल अनधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा करके सदन की अवमानना का दोषी पाया गया।

जनता से जुड़े मुद्दे जस के तस, सरकार मस्त : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार के नौ साल से ज्यादा बीते, पर बात ही बात हो रही काम कुछ नहीं

» 14 में आई थी 24 में चली जाएगी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि मोदी सरकार के लगभग साढ़े नौ साल व यूपी में योगी सरकार के साढ़े छह साल बाद भी जनता से जुड़े मुद्दों को कोई हल नहीं निकाला है। पर बीजेपी वाले ऐसी बातें बना रहें है जैसे कि सब अच्छा हो गया है।

उन्होंने कहा कि हम 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी तैयारी कर रहे हैं। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा 14 में यूपी से आई थी और 24 में चली जाएगी। उन्होंने कहा कि आज भी जनता के सवाल वैसे के वैसे ही हैं। भाजपा को बताना चाहिए कि क्या किसानों की आय दोगुनी हो गई? प्रदेश सरकार का कहना है कि 40 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए हैं। अब उनकी स्थिति क्या है? कितना निवेश हुआ है? उन्होंने कहा कि हमने सुना है कि जिन लोगों ने एमओयू साइन किया था उन्हें अधिकारी ढूंढ रहे हैं। तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उन्हें एसटीएफ तलाश करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग कहते थे कि बुंदेलखंड में इंडस्ट्रियल हब बनेगा। यहां पर टैंक बनेगा, मिसाइल बनेगी.. लेकिन यहां तो सुतली बम तक नहीं बना। वहीं उन्होंने कहा कि पिछड़ों और दलितों को उनका हक दिलाना है, सामाजिक न्याय से ही लोगों को लाभ मिलेगा।

मोहन यादव पर सपा ने साधी चुप्पी

मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री घोषित करने के बाद सपा के प्रमुख नेताओं ने चुप्पी साध ली है। भाजपा के इस फैसले को यूपी, बिहार व हरियाणा में भी यादव मतदाताओं को लुभाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। मोहन यादव को मध्य प्रदेश का सीएम बनाए जाने पर सपा के प्रमुख नेताओं ने सोमवार को कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यूपी, बिहार व हरियाणा में यादव मतदाताओं को लुभाने की रणनीति के तहत मोहन यादव को मध्य प्रदेश की कमान सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश में जहां करीब 10-12 प्रतिशत आबादी यादवों की हैं, वहीं बिहार में इनकी संख्या 14.26 प्रतिशत और हरियाणा में 10 प्रतिशत के आसपास है। वर्ष 2001 में तत्कालीन सीएम राजनाथ सिंह के कार्यकाल में गठित हुकुम सिंह कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार यूपी में भी पिछड़ी जातियों में सबसे ज्यादा संख्या यादव जाति की है।

संक्षिप्त खबरें

अयोध्या का राम मंदिर सपने के सच होने जैसा : के कविता

हैदराबाद। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, इस बीच तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी और भारत रक्षा समिति (बीआरएस) की एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने कहा कि यह एक सपने जैसा है। करोड़ों हिंदुओं के लिए सच है। एक्स टाइमलाइन पर तेलुगु में लिखी एक पोस्ट में उन्होंने भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के लिए अपनी खुशी व्यक्त की। के कविता ने पोस्ट करते हुए कहा कि शुभ समय के दौरान जब अयोध्या में सीताराम चंद्र स्वामी की मूर्ति स्थापित की गई है, जो करोड़ों हिंदुओं के लिए एक सपना सच होने जैसा है, तेलंगाना के साथ देश इसका स्वागत करता है। एक्स पोस्ट के साथ उन्होंने निर्माणाधीन राम मंदिर का एक वीडियो भी शेयर किया। इस बीच, गर्भगृह, जहां भगवान राम की मूर्ति रखी जाएगी, पूरा होने के करीब है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को लगभग तैयार गर्भगृह की तस्वीरें साझा कीं, जहां राम लला की मूर्ति स्थापित की जाएगी।

महुआ मोइत्रा पहुंची सुप्रीम कोर्ट

कोलकोता। कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा सांसद के रूप में निष्कासित किए जाने के कुछ दिनों बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 8 दिसंबर को, सदन द्वारा अपनी आचार समिति की रिपोर्ट को अपनाने के बाद, मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था, जिसमें उन्हें अपने हित को आगे बढ़ाने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से उपहार और अवैध संतुष्टि स्वीकार करने का दोषी ठहराया गया था। टीएमसी नेता ने आरोपों का जोरदार खंडन किया था। अपने निष्कासन के बाद, मोइत्रा ने बिना सबूत के कार्य करने के लिए नैतिकता पैनल पर हमला किया और कहा कि यह विपक्ष को बुलडोजर देने का हथियार बन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आचार समिति और उसकी रिपोर्ट ने पुस्तक के हर नियम को तोड़ दिया। पश्चिम बंगाल में कृष्णानगर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली टीएमसी नेता ने कहा कि जब एथिक्स पैनल की रिपोर्ट पर विचार किया गया तो उन्हें सदन में अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया गया। महुआ मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में शुक्रवार को 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' के लिए सदन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। महुआ ने कहा कि आचार समिति मुझे उस बात के लिए दंडित कर रही है, जो लोकसभा में सामान्य है, स्वीकृत है तथा जिसे प्रोत्साहित किया गया है।' उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पूरा मामला 'लॉगिन विवरण' साझा करने पर आधारित है, लेकिन इस पहलू के लिए कोई नियम तय नहीं हैं। निष्कासन के बाद जब महुआ सदन से बाहर निकलीं तो उनके कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कई सांसद बाहर आए। मोइत्रा ने एक भाषण पढ़ा, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसे सदन के पटल पर रखने का इरादा था।

मैं राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाऊंगा : मोहन यादव

» तोमर विधानसभा के अध्यक्ष, राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के मनोनीत सीएम मोहन यादव ने कहा कि मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए मैं पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा को धन्यवाद देता हूं। यह केवल भाजपा पार्टी ही है जो मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। मैं राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाऊंगा। उधर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को नया विधानसभा अध्यक्ष नामित किया गया है।

निवर्तमान वित्त मंत्री और मंदसौर से दो बार के विधायक जगदीश देवड़ा और रीवा से निवर्तमान जनसंपर्क मंत्री विधायक राजेंद्र शुक्ला को उप मुख्यमंत्री चुना गया है। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष के लक्ष्मण और राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा सहित भाजपा पर्यवेक्षकों ने विजयी विधायकों के नामों पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समर्थित मोहन यादव ने शिवराज सिंह चौहान सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया।

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत

» कोर्ट ने फिर बढ़ाई न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार से जुड़े कथित आबकारी घोटाले के मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया की मुश्किलें थमती नहीं दिख रही हैं। ताजा मामले में आज सोमवार (11 दिसंबर) को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आप नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत पर सुनवाई 10 जनवरी 2024 तक बढ़ा दी है।

आबकारी घोटाले के मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया आज सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। यहां जेल में बंद आप नेता की न्यायिक हिरासत 10 जनवरी, 2024 तक के लिए बढ़ा दी गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील को अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने की अनुमति दी और मामले को 10 जनवरी, 2024 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 21 नवबंर दिन मंगलवार को दिल्ली शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी थी। मामले की विस्तार से सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने कहा था कि आरोपित व्यक्तियों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अभी भी कई दस्तावेज दाखिल किए जाने बाकी हैं।

संजय सिंह को भी सुप्रीम कोर्ट से झटका

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 4 अक्टूबर को संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने अब रद्द हो चुकी आबकारी नीति के बनाने और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को लाभ हुआ। हालांकि, संजय सिंह ने आरोपों का खंडन किया है। धनशोधन रोधी एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सदस्य के आवास पर दो किस्तों में दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। ईडी के अनुसार, जांच में पता चला है कि अरोड़ा ने सिंह के घर पर दो मौकों पर दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। अगस्त 2021 से अप्रैल 2022 के बीच यह नकदी पहुंचाई गई. हालांकि सिंह ने इस दावे का खंडन किया है। दिल्ली पर शासन करने वाली 'आप ने उनके नेताओं की गिरफ्तारियों को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है।

गलतफहमी में जी रहे भाजपा व जेडीएस : सिद्धारमैया

» कुमारस्वामी के बयान को सीएम ने नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के कर्नाटक में सरकार कभी भी गिर सकती है वाले बयान पर अब कांग्रेस ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कहना है कि भाजपा और जेडीएस उनकी सरकार के गिरने को लेकर भ्रम की स्थिति में हैं। गौरतलब है, भाजपा और जेडीएस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस से लड़ने के लिए कर्नाटक में गठबंधन कर लिया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा और जेडीएस बिना पानी के मछली जैसे परेशान होती है, वैसे ही संघर्ष कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि भाजपा और जेडीएस को गलतफहमी हैं। इसका क्या ही किया जा सकता है? गौरतलब है, जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष कुमारस्वामी ने रविवार को दावा किया था कि सत्तारूढ़ कांग्रेस का एक मंत्री भाजपा में शामिल हो सकता है। कुमारस्वामी ने कहा था कि केंद्र द्वारा शुरू की गई कानूनी परेशानियों से बचने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक प्रभावशाली मंत्री भाजपा में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि मंत्री '50 से 60 विधायकों' के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए वह भाजपा के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। जेडीएस नेता ने पत्रकारों से कहा था कि कांग्रेस सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है। उन्हें नहीं पता कि यह सरकार कब गिर जाएगी। एक मंत्री अपने खिलाफ दर्ज मामलों से बचने के लिए बेताब हैं।

जेडीएस का कोई अस्तित्व नहीं बचा : प्रियांक खरगे

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि चुनाव के बाद कर्नाटक में जेडीएस का कोई अस्तित्व नहीं बचा है। अस्तित्व बचाने के लिए पार्टी संघर्ष कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि बीआरएस ने भाजपा के साथ गठबंधन किया। एक पार्टी के रूप में बने रहें इसे सुनिश्चित करने के लिए जो कर सकते हैं वह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस का सफाया होने की बात भूल जाइए। चुनाव से पहले न तो जेडीएस और न ही भाजपा रहेगी। कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को 135 सीटें हासिल हुई थी। बीजेपी के पास 66 सीटें और जद एस के पास 19 सीटें हैं।

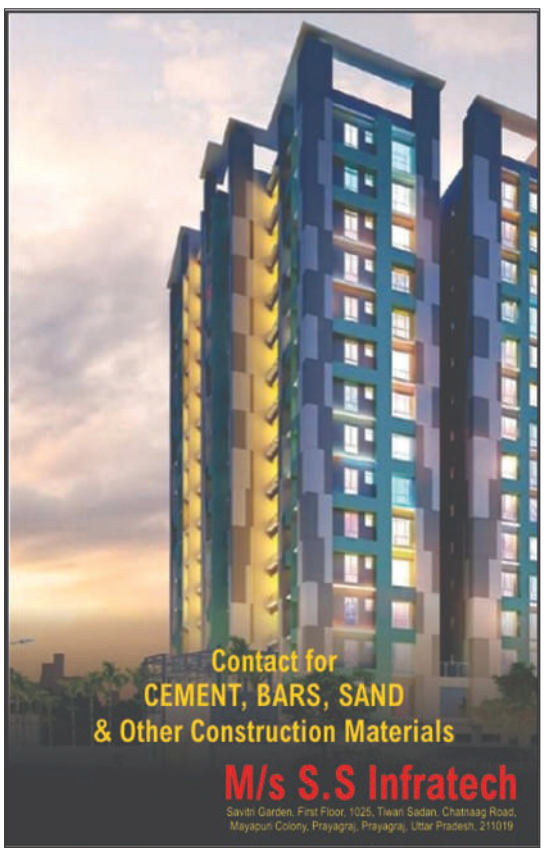

परिवारवाद से निकल नहीं पा रही सियासी पार्टियां

सपा, कांग्रेस व भाजपा में अपने ही परिवारिक लोगों को आगे बढ़ाने का चलन बढ़ा

- बसपा के फैसले के बाद फिर छिड़ी बहस
- जनता का परिवारवाद पर मत बंटा हुआ
- मायावती ने की भतीजे को उत्तराधिकारी बनाने की घोषणा
- कांशीराम के विचार से किया किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। परिवारवादी पार्टियों पर हमलों के बीच दलित राजनीति में अपना एक अलग मुकाम रखने वाली बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने उत्तराधिकारी का एलान करके ये जता दिया है कि वह इसे अपने छाये में रखेंगी हालांकि उनके फैसले की आलोचना भी हो रही है। मायावती द्वारा रविवार को अपने भतीजे और नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित करने की घोषणा के बाद एक बार फिर परिवारवाद की राजनीति पर चर्चा शुरू हो गई है। विधान परिषद और विधानसभा में मात्र एक-एक सदस्य के साथ अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही मायावती ने लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर यह बड़ा राजनीतिक दांव खेला है।

विश्लेषक मानते हैं कि इसने राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और जनता को सोचने का विषय दिया है कि पार्टियों के परिवारवाद में उनका महत्व कहां और कितना हैं। यूं तो गांधी परिवार के नाते कांग्रेस हमेशा से ही परिवारवाद के मुद्दे पर निशाने पर रही है। इंदिरा गांधी से लेकर राहुल गांधी तक परिवारवाद के उदाहरण हैं। प्रदेश में भी कांग्रेस के नेता प्रमोद तिवारी की बेटी आराधना मिश्रा मोना विधायक हैं। कांग्रेस नेता पीएल पूनिया के बेटे तनुज पूनिया पीसीसी के पदाधिकारी हैं। हालांकि देखा जाए तो भाजपा में भी परिवाद की भरमार है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बसपा संस्थापक स्वर्गीय कांशीराम राजनीति में परिवारवाद के विरोधी थे। उन्होंने अपने भाई दरबारा सिंह से लेकर अन्य परिवारजन को राजनीति से दूर रखकर मायावती को बसपा का उत्तराधिकारी बनाया था। लेकिन अब मायावती ने भी परिवारवाद की ही राह अपनाई है। मायावती ने पहले अपने भाई आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया। अब भतीजे को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। मायावती ने पहले यह संकेत दिए थे कि उनका उत्तराधिकारी जो भी होगा वह उनसे छोटी उम्र को होगा। आकाश को उत्तराधिकारी घोषित कर उन्होंने दलित वोट बैंक को बिखरने से रोकने और बसपा के साथ लामबंद रखने की कोशिश की हैं। साथ ही युवा वर्ग को साधने के लिए बड़ी हैसियत के साथ आकाश को आगे बढ़ा दिया है। आकाश न सिर्फ युवा हैं बल्कि टेक्नोसेवी भी हैं और युवाओं से कनेक्ट बनाते नजर आते हैं। मायावती की इस घोषणा ने एक बार फिर प्रदेश में परिवारवाद की राजनीति का मुद्दे को हवा दे दी है।

आखिर दूसरी पंक्ति पर लगाया ध्यान

बसपा से जुड़े जानकारों के मुताबिक मायावती ने सत्ता में रहने के दौरान भी पार्टी में कभी दूसरी पंक्ति तैयार नहीं की थी। उसकी वजह यह है कि वह किसी पर जल्द और ज्यादा विश्वास नहीं करती हैं। यही वजह है कि राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा सहित चंद नेताओं को छोड़ दें तो बाकी सभी पुराने दिग्गज नेता मायावती को छोड़कर चले गए हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और जनता के लिए सोचने का विषय है कि किस तरह राजनीतिक दल जनता के वोट और कार्यकर्ताओं की मेहनत से सिर्फ परिवार को आगे बढ़ाते हैं। इससे कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता प्रभावित होती है कि वह चाहें कितनी भी मेहनत और समर्पण से काम करें लेकिन जब महत्वपूर्ण पद की बात आएगी तो परिवार के किसी सदस्य को ही चुना जाएगा।

रालोद, सुभासपा समेत कई छोटे दलों को भी परिवर का सहारा

राष्ट्रीय लोकदल भी पीढ़ी दर पीढ़ी परिवारवाद की ही चाल चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने लोकदल का गठन किया था। उनके निधन के बाद लोकदल को लेकर हुए विवाद के बाद अजीत सिंह चौधरी ने राष्ट्रीय लोकदल का गठन किया। अजीत सिंह के निधन के बाद अब उनके बेटे जयंत चौधरी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भी यूं तो अति पिछड़े वर्ग की वकालत करते हैं। लेकिन उनकी पार्टी भी परिवारवाद में पीछे नहीं हैं। राजभर ने भी अपने बेटे अरविंद राजभर को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बना रखा है। राजभर इन दिनों लोकसभा चुनाव में अपने बेटे अरविंद राजभर और अरुण राजभर के राजनीतिक समायोजन के प्रयास में हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में अरविंद को चुनाव लड़ाकर लोकसभा भेजने की तैयारी कर रहे हैं। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद स्वयं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। उनका बेटे इंजीनियर सरवन निषाद चौरीचौरा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक है। वहीं एक बेटे प्रवीण निषाद संतकबीर नगर से भाजपा सांसद हैं। संजय निषाद अब अपने सबसे बड़े बेटे डॉ.अमित को भी लोकसभा चुनाव लड़ाना चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि संजय निषाद निषाद समाज के वोट बैंक पर राजनीति करते हैं। निषाद पार्टी से छह विधायक हैं, लेकिन उनमें निषाद समाज का एक भी विधायक नहीं हैं। अपना दल भी अपनों तक सीमित अपना दल भी अपनों तक ही सीमित है। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल केंद्र सरकार में राज्यमंत्री हैं। उनके पति आशीष पटेल प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। वहीं अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल की बेटी पल्लवी पटेल सपा से हुए गठबंधन के तहत सपा की विधायक हैं। पल्लवी के पति पंकज सिंह निरंजन पार्टी के महासचिव हैं।

सपा में परिवार का वर्चस्व

सपा के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने 2012 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया था। 2016-17 में पार्टी के नेतृत्व को लेकर छिड़ी जंग में सपा की कमान अखिलेश यादव को मिली। वर्तमान में अखिलेश यादव के चाचा प्रो. रामगोपाल यादव पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव हैं। दूसरे चाचा शिवपाल यादव भी पार्टी के महासचिव हैं। अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी से सपा की सांसद हैं। सपा के परिवारवाद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अखिलेश के विधायक निर्वाचित होने के बाद उनके इस्तीफे से खाली हुई आजमगढ़ सीट पर चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया गया। हालांकि धर्मेंद्र चुनाव हार गए। स्वर्गीय मुलायम सिंह के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी सीट पर राजनीतिक विरासत में वह सीट डिंपल यादव को मिली। इससे पहले चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव बदायूं और अक्षय यादव फिरोजाबाद से सांसद रहे हैं।

भाजपा भी परिवारवाद से पीछे नहीं

भाजपा भले ही दूसरे दलों पर परिवारवाद का आरोप लगाती है। लेकिन भगवा दल भी परिवारवाद से अछूता नहीं हैं। पार्टी में दिग्गज नेताओं का परिवारवाद चलता रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह नोएडा से दूसरी बार विधायक होने के साथ पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह एटा से सांसद हैं। उनके बेटे संदीप सिंह योगी सरकार में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं। सपा से भाजपा में आए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल के बेटे नितिन अग्रवाल आबकारी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं। इनके अतिरिक्त भी भाजपा सरकार के मंत्रियों और सांसदों के परिवारजन जिला पंचायत अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष हैं।

पारिवारिक सदस्य के बढ़ने से आहत होते कार्यकर्ता

राजनीति के मूर्धन्यों का मानना है राजनीतिक दलों के परिवारवाद से वे कार्यकर्ता आहत होते हैं जो किसी समाज या देश के मिशन को लेकर उनसे जुड़ते हैं। ऐसे में अब तमाम परिवारवादी दलों में वे ही लोग जुड़ रहते हैं जो चुनाव लड़ना चाहते हैं ताकि पार्टी के टिकट पर उस दल या समाज से जुड़े लोगों का वोट मिल जाए। उनका कहना है कि मायावती को आकाश को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना था। यही वजह है कि समय रहते उन्होंने अधिकतर वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जलवायु पर सकारात्मक निष्कर्ष निकालें

दुबई में कॉप-28 की बैठक में जलवायु परिवर्तन पर गहन चर्चा हो रही है। इस बीच भारत के पर्यावरण मंत्री ने कहा है विकसित देश जलवायु मामले में जो भी फैसले करें न्यायोचित हो। हालांकि कई देशों ने भारत द्वारा जलवायु संतुलन पर उठाए गए कदमों को सराहा है। सभी देशों ने कहा है कि जिस तरह से भारत ग्रीन एनर्जी व रिनोवेल एनर्जी को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है वह सारे विश्व के लिए लाभदायक है। इससे पहले ग्लासगो में आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी 26) में बीते पर्यावरण संकट में पिछड़े देशों की मदद की वकालत की थी ताकि गरीब आबादी सुरक्षित जीवन जी सके। धरती की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में आयोजित हो रहा संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन-कॉप-28 बहुत महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है।

धरती की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में आयोजित हो रहा संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन-कॉप-28 बहुत महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। 2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था।

2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। इस साल तापमान में वृद्धि, महासागर की गर्मी, अंटार्कटिका की बर्फ का घटना आदि ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को चिन्ताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है, बार-बार बाढ़, सूखा एवं भुस्खलन हो रहा है। इसलिए, विकसित देशों को अपना कार्बन उत्सर्जन कम करने और ग्रीन एनर्जी में निवेश करने की आवश्यकता है। पर्यावरण के बिगड़ते मिजाज एवं जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों ने जीवन को जटिल बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। रोम में सम्पन्न हुए जी-20 सम्मेलन में सभी देश धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस कम करने पर राजी हुए हैं। इसके अलावा उत्सर्जन को नियंत्रण करने के तथ्य निर्धारित किये गए हैं। जी-20 ने तो शताब्दी के मध्य तक कार्बन न्यूट्रेलिटी तक पहुंचने का वादा भी किया है। कहीं बाढ़ कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र यानी संकटकालीन परिवेश में प्रवेश कर रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुरंग में रोशनी और जिंदगी का अंधेरा

दीपांकर गुप्ता

तमाम नियम-कानूनों की अवहेलना करके बनाई जा रही सिलक्यारा सुरंग के हादसे में फंसे मजदूरों को रैटहोल माइनर्स की बदौलत बचा लिया गया, गोकि भारत में यह तरीका प्रतिबंधित है। परिणाम में सफलता तो मिली लेकिन विरोधाभास भरी है। सत्रह दिनों तक व्यग्र कर देने वाली जद्दोजहद के बाद, सब मजदूरों का सकुशल निकल आना वाकई जश्न मनाने योग्य है, वहीं इस तथ्य को नजरअंदाज न किया जाए कि यह त्रासदी बनने की नौबत ही नहीं बननी चाहिए थी। तदनुसार, हमें उन पर निर्भर होना पड़ा जिनकी रोजी-रोटी कानून तोड़ने से जुड़ी है और यह गतिविधि हमारी नीतियों के औचित्य का इम्तिहान भी है। यह प्रसंग याद दिलाता है कि वह गरीब ही है, जो अक्सर हमारे जीवन को इतना आरामदायक बनाता है।

सिलक्यारा हादसे की तुलना यदि थाईलैण्ड में 2018 में किए गए साहसिक बचाव अभियान से की जाए, जब कुछ लड़के दुर्भाग्यवश अचानक आई बाढ़ में एक गुफा में फंस गए थे तो उत्तराखंड में निर्माणकर्मी मलबे में इसलिए फंसे क्योंकि सुरंग निर्माण में कानून और नियमों की अनदेखी हुई है और इसे बदनसीबी से उपजा हादसा करार नहीं दिया जा सकता। पुन: थाईलैण्ड बचाव अभियान के नायक वह थे जो शौकिया गुफा-गोताखोरी करते हैं, लेकिन इसमें उच्च दर्जे के कौशल की जरूरत होती है और घंटों तक पानी के भीतर रहकर अभियान करना संभव नहीं होता। लेकिन जिस टीम ने सिलक्यारा सुरंग में फंसे मज़दूरों को बचाया है, वह गरीब रैट माइनर्स हैं। उनकी महारत तंग से तंग जगह में सुरंगें बनाकर खनन करके कोयला निकालने में है, मुख्यत: यह काम मेघालय में होता है। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने रैटहोल खनन को प्रतिबंधित कर दिया था लेकिन मेघालय के जैंतिया और खासी पहाड़ी क्षेत्र में यह काम चोरी-छिपे निरंतर जारी है। वहां खदानों में कोयला महीन भूमिगत पट्टियों में मौजूद है। लिहाजा रिवायती खनन की तकनीकें वहां बेकार हैं और यही वजह है कि खान मालिक तंग सुरंगों में वंचित और अकुशल मेहनतकशों को झोंकते हैं।

मेघालय में रैटहोल माइनिंग करना आम है और जितना हो सके आलोचना लायक। संविधान की छठी अनुसूची के तहत इस राज्य की भूमि पर समुदायों का हक सुरक्षित है। निजी पक्षों ने इसकी

आड़ लेकर व्याख्या कुछ इस तरह कर रखी है मानो उन्हें भू-भाग का बेरोकटोक दोहन करने की छूट सरकार से मिल गई है। मेघालय में रैट माइनिंग जारी रहने की पीछे वजह यही है। रैटहोल माइनिंग न केवल गलत है बल्कि खतरनाक भी क्योंकि खोखली खदानों में अचानक पानी भरने के कारण कई मजदूर मर चुके हैं। सबसे अधिक गौरतलब है कि मेघालय की कोप्ली नदी का पानी इस गतिविधि के कारण अम्लीय बन चुका है। इस सबके बीच, यह संविधान की छठी अनुसूची का प्रावधान है, जो लालची खदान मालिकों को बचाए हुए है। तंग से तंग जगह में लगातार काम करने से रैटहोल माइनर्स पतली भूमिगत परतों में दबे कोयले को निकालने के लिए खुदाई, पिसाई और ढुलाई के अभ्यस्त हो गए हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें 'कुशल मजदूर' की संज्ञा देना सही न होगा क्योंकि प्रक्रिया मुख्यत: खुरचने, खोदने और पिसाई से खनन करने की है। आज जब हम सिलक्यारा में किए साहसिक बचाव कार्य के लिए इनको शाबाशी दे रहे हैं तो क्या सोचा कि ये नायक फिर से किन परिस्थितियों में खटने को वापस जा रहे हैं? लोगों के जहन में उनकी याद बहुत कम समय तक रहेगी। सिलक्यारा अभियान में 26 घंटों तक लगातार अंधेरे में काम करने के बाद, जब शाम के धुंधलके में वे वापस आए तो अगले दिन सूरज की रोशनी ठीक से लेने से पहले ही उनकी वापसी हो गई। हमें तो सही में उनके नाम तक पता नहीं हैं न ही जानते हैं कि वे कहां के मूल निवासी हैं। कुछ अपुष्ट खबरों के अनुसार अधिकांश अल्पसंख्यक और जनजातीय समुदाय से हैं लेकिन क्या वास्तव में?

बचाव अभियान में रैटहोल माइनर्स को लगाने के पीछे मुख्य वजह यह रही कि अमेरिका निर्मित परिष्कृत होरीजॉन्टल ड्रिलिंग ऑगर मशीन बीच कार्य में नकारा हो गई और जिसकी मरम्मत संभव नहीं थी। समय कम पड़ता जा रहा था और कुछ मीटर की खुदाई अभी बाकी थी, जिससे मंजिल पुन: काफी दूर लगने लगी। यहां दूसरी भारी विद्रूपता यह है कि जब आयातित महंगी मशीन असफल रही तो यहां हाथों और पंजों से की जाने वाली सस्ती खुदाई ने कमाल कर दिखाया। संयोगवश रैटहोल माइनर्स को समांतर खुदाई करने में महारत हासिल है, इसी खासियत के दम पर वे मेघालय में महज दो मीटर चौड़ी कोयला पट्टी से कोयला खोदकर निकाल लेते हैं। ऑगर मशीन के ठप्प पड़ने के बाद बाकी बची समांतर खुदाई रैटहोल माइनर्स ने कर दिखाई।

जीडीपी का हिस्सा बनें सामाजिक पर्यावरणीय सरोकार

अरुण मायरा

पृथ्वी की सेहत, इसके वन, नदियां, महासागर और हवा संकट में हैं। मौसम में हो रहे बेलगाम बदलावों से इसी सदी के अंदर जीवन बदल जाएगा। दुबई में आयोजित कॉप-28 पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए विश्व के नेता इसको थामने के उपायों पर सहमति के लिए प्रयास कर रहे हैं। पांच दिसम्बर को 'विश्व मृदा दिवस' मनाए जाने के साथ मेरे मन में अन्य शाश्वत विचार घुमड़ रहा है : वह मिट्टी जो सबको जीवन प्रदान करती है, उसकी अपनी सेहत कैसी है। विषैली धरती में डाले गए बीज उगने से रहे। प्रगति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है। यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं। प्रकृति अपनी मिट्टी की सेहत कैसे बनाए रखती है? शायद कुदरत से सीखे गए सबक संस्थानों द्वारा आर्थिक तरक्की को परिभाषित करने की परंपरा और विचारों को बदलने में हमारा मार्गदर्शन कर पाएं।

पंजाब के कृषकों को व्यापक पैमाने पर अन्न उत्पादन करने की तकनीकें और जरूरी साधन मुहैया करवाए गए थे ताकि देश का पेट भरने को गेहूं और चावल का उत्पादन बढ़ सके, इसके लिए मोनोकल्चर एग्रीकल्चर के साथ आयातित बीज-खाद और बांधों, नहरों और भूजल स्त्रोतों से सिंचाई जल भी उपलब्ध करवाया गया। भूजल स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंचता देख, धान बुवाई का समय बारिश की आमद के साथ जोड़ा गया। लेकिन इससे धान-कटाई और गेहूं-बिजाई के बीच पराली उठान के लिए समय घटता गया। किसान पराली को नैसर्गिक रूप से मिट्टी में जज्ब होने का इंतजार करने या इसका उपयोग कहीं और करने की बजाय, जलाने लगे। इससे प्राकृतिक अपशिष्ट क्षरण चक्र जाता रहा।

अब किसानों को ऐसी नई तकनीकों की जरूरत है जिससे कि पराली अन्य कहीं इस्तेमाल के लिए खेत से उठ पाए। परंतु उनके पास इस हेतु आर्थिक स्त्रोत नहीं है। इसी बीच रसायनों के प्रयोग से उनकी मिट्टी विषैली होती गई। किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है। इन सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है। मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया। इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया। 'आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों' ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है। इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है। बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है। उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे।

यहां तक कि भारत में भी, कुछ ही सालों में बुजुर्गों की जनसंख्या युवाओं से ज्यादा हो जाएगी और हमें 'वृद्ध भारत' वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करनी होगी। मौजूदा अर्थव्यवस्था प्रणाली में न तो वृद्धों को और न ही परिवार या समुदाय की देखभाल को 'उत्पादक' माना जाता है। अर्थशास्त्रियों की इच्छा है कि अधिक संख्या में महिलाएं नव-उद्यमी बनें ताकि जीडीपी में इजाफा हो, भले ही इससे परिवार और बुजुर्गों की अनदेखी हो। देखभाल की इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने को नए-नए उपाय, जो कि अधिकांशत: पेशेवर हैं, ढूंढ़े जा रहे हैं। बताया जाता है कि इससे भी जीडीपी में इजाफा होगा, परंतु इसकी एवज में चाहे परिवारों और समुदायों का नैसर्गिक रूप से साथ रहने की परंपरा टूट जाए।

सरकारें, जिन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों वाली व्यवस्था बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहिए, यहां उनकी भूमिका एक किसान की तरह होनी चाहिए यानी आजीविका कमाने में विविधता कायम रखने की जिम्मेवाराना सहजवृत्ति निभाना। सरकारों के लिए बुजुर्ग आबादी की देखभाल करने के लिए स्त्रोत कम पड़ रहे हैं। वे बुजुर्ग, जो परिवारों से अलहदा हैं, उनके लिए वृद्ध-संभाल गृह होने चाहिए, क्योंकि अधिकांश इसका खर्च उठाने लायक नहीं हैं। महंगाई सूचकांक से जुड़ी अधिक पेंशन देने के लिए सरकारों को कंपनियों, कामकाजी वर्ग पर अधिक कर लगाने पड़ते हैं, जो कि वह देने को राजी नहीं। फिर सेवानिवृत्तों को पुन: नौकरी देने का विरोध भी युवा करते हैं क्योंकि उन्हें भी यथेष्ट वेतन वाली अच्छी नौकरी चाहिए। 'लचीली रोजगार व्यवस्था', जिसमें नियोक्ता किसी कर्मी को अपनी जरूरत और मुनाफे के हिसाब से रखता-हटाता है, इससे भी नौकरियां घटती जा रही हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और सामाजिक देखभाल प्रदाता समाज का मूल्यवान स्त्रोत हैं। वे स्वास्थ्य और समाज की निरंतरता बनाए रखने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं, जो कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन खाके में फिट नहीं बैठती। देखभाल-सेवा में जो श्रम-समय लगता है उसका आर्थिक मूल्यांकन नहीं किया जाता। जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेतृत्व से मनुष्यता-केंद्रित नव-व्यवस्था का खाका बनाने का अनुरोध किया था। लेकिन ढर्रे को बदलना आसान नहीं।

वेज लॉलीपॉप

ये खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं, और इसे बनाना भी आसान होता है। खास बात ये ही कि इसे खाते वक्त आपके मेहमानों के हाथ गंदे नहीं होंगे। वेज लॉलीपॉप एक ऐसा स्नैक है जो छोटे और बड़े सभी लोगों को खुश कर सकता है। इसका स्वाद अद्वितीय होता है और यह खासतर संध्याकाल के साथ बिल्कुल अद्वितीय होता है। इन स्वादिष्ट वेज लॉलीपॉप को गरमा गरम सर्व करें और टमाटर केचप या हरी चटनी के साथ आनंद उठाएं।

इसका स्वाद आपके मौके को खास बना देगा! इस स्वादिष्ट वेज लॉलीपॉप रेसिपी को बनाने का सही समय संध्याकाल है। जब आपके परिवार और मित्र एक साथ होते हैं, तो यह एक अद्वितीय स्नैक के रूप में सबको खुश कर सकता है।

स्वीट कॉर्न कटलेट

अगर आप घर पर कुछ स्वादिष्ट लेकिन हल्का सा बनाने का सोच रही हैं तो स्वीट कॉर्न कटलेट एक बेहतर विकल्प है। इसे आप घर पर आसानी से तैयार कर सकते है। केचअप और हरी धनिए की चटनी के साथ मेहमानों को परोस सकते हैं।

वेज कबाब

अगर आप कुछ ऐसा बनाने का सोच रही हैं, जिसे गर्म करने का झंझट नहीं हो, तो वेज कबाब एक बेहतर विकल्प है। इसे आप चटाकेदार हरे धनिए की चटनी के साथ परोस सकती हैं। वेज कबाब सबसे ज्यादा लोकप्रिय विकल्प है, जो की पार्टी स्टार्टर के रूप में परोसा जाता है। वेज कबाब शाकाहारी होने के साथ-साथ यह अन्य फ़ास्ट फ़ूड के मुकाबले इसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। क्योंकि यह कई प्रकार की सब्जियों और मसालों के मिश्रण से बनता है। अगर आपके घर में ऐसे बच्चे हैं जिन्हे सब्जी खाना पसंद नहीं है, तो आप इस डिश की सहायता है, स्वादिष्ट तरीके से सब्जियों के पोषक तत्व का लाभ पहुंचा सकती/सकते हैं।

नाश्ते में मेहमानों को परोसें ये लजीज व्यंजन

बस कुछ ही दिनों में 2023 का अंत हो जाएगा। साल के अंत में ईसाई धर्म का सबसे बड़ा त्योहार मनाया जाता है, जिसे हम सभी क्रिसमस डे के नाम से जानते हैं। ये त्योहार ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इसे साल का आखिरी सबसे बड़ा त्योहार कहते हैं। ईसाई धर्म के लोग सालभर क्रिसमस का इंतजार करते हैं। बहुत से लोग तो ईसाई ना होने के बावजूद क्रिसमस डे काफी धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन वो अपने परिवार के संग चर्च जाते हैं, लंच और डिनर पर जाते हैं। इसके अलावा बहुत से लोग अपने घरों में क्रिसमस डे के दिन पार्टी का आयोजन करते हैं। लेकिन लोग पर पार्टी के लिए कतराते रहते हैं क्योंकि घर पर पार्टी करने के लिए बहुत सारी चीजों का इंतेजाम करना पड़ता है और व्यवस्थाएं भी करनी पड़ती है। क्योंकि पार्टी का आयोजन करते वक्त सबसे ज्यादा इस बात पर सोच विचार होता है कि मेहमानों को नाश्ते में क्या परोसा जाए। इसके लिए हमें कुछ घर पर बनाए जा सकने वाले फूड जो आसानी से बनाए जा सकें उन्हें बनाकर परोसा जा सकता है।

चीज टोस्ट

ये एक ऐसा विकल्प है, जिसे बनाना भी काफी आसान है और बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये बेहद पसंद आता है। ऐसे में आप अपने मेहमानों के लिए चीज टोस्ट तैयार कर सकती हैं। चीज़ टोस्ट 135 कैलोरी देता है। जिसमें से कार्बोहाइड्रेट में 48 कैलोरी होती है, प्रोटीन में 28 कैलोरी होती है और शेष कैलोरी वसा से होती है जो 59 कैलोरी होती है। एक चीज़ टोस्ट 2,000 कैलोरी के एक मानक वयस्क आहार की कुल दैनिक कैलोरी आवश्यकता का लगभग 7 प्रतिशत प्रदान करता है।

ब्रेड रोल

ब्रेड रोल को बनाना बेहद ही आसान है। ऐसे में आप इसे घर पर ही तैयार करके रख सकते हैं। इसे तुरंत माइक्रोवेव में गर्म करके आप अपने मेहमानों को खिला सकती हैं। ब्रेकफास्ट में अगर ब्रेड रोल परोस दिया जाए तो बच्चों के चेहरे की खुशी देखते बनती है। ब्रेड रोल बच्चों के बीच में काफी लोकप्रिय फूड डिश है। ब्रेड और आलू से मिलकर तैयार होने वाली ये फ़ड डिश काफी पसंद की जाती है।

मिनी बर्गर

वैसे तो बर्गर खाने में काफी ज्यादा हैवी हो जाते हैं, ऐसे में आप अपने मेहमानों के लिए मिनी बर्गर तैयार कर सकती हैं। ये खाने के साथ-साथ देखने में भी कमाल के लगते हैं। बर्गर बहुत टेस्टी होता है और इसे देखते ही मुंह में पानी आ जाता है... इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता। यह सबसे अधिक खाए जानेवाले फास्ट फूड्स में शुमार है, जिसे दुनियाभर में लोग खाना पसंद करते हैं। जंक फूड्स कैलरी, फैट, सॉल्ट और ऑइल की अधिक मात्रा से भरपूर होते हैं। एक मीडियम साइज के बर्गर में आमतौर पर 500 कैलरीज होती हैं और 20-25 ग्राम फैट होता है। वहीं शुगर और सॉल्ट की मात्रा क्रमशः 10 ग्राम और 1 ग्राम होती है। इतना सब एक साथ आपके हमारे पेट में तूफ़ान लाने के लिए काफी है।

हंसना मना है

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक बुड्ढा आदमी के पास से गुजरा और बोला- बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का- नही अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति-पत्नी दोनों मार्किट गए, वहां पति ने एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में - बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर - ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति- काम के लिए बाई रखे? पत्नी-नहीं चाहिए। पति- क्यों? पत्नी- तुम्हारी आदते मैं अच्छी तरह से जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

देवदास की तरह जान मत दो यारो, प्यार को लात मारो, मेरी बात मानो,ना चंद्रमुखी ना पारो, रोज रात एक किंगफ़िशर मारो, और चैन से ज़िंदगी गुज़ारो..!

कहानी | कौवों की गिनती

बीरबल की चतुराई से बादशाह अकबर और सभी दरबार परिचित थे। फिर भी अकबर, बीरबल की चतुराई का परीक्षा लेते रहते थे। ऐसे ही एक सुबह बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और बगीचे में घूमने के लिए चले गए। वहां पर बहुत सारे पक्षी आवाज कर रहे थे। अचानक बादशाह अकबर की नजर एक कौवे पर पड़ी और उनके मन में शरारत सूझी। उन्होंने बीरबल से कहा कि मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारे राज्य में कुल कितने कौवे हैं। यह सवाल थोड़ा अटपटा जरूर था, लेकिन फिर भी बीरबल कहा कि महाराज मैं आपके इस प्रश्न का जवाब दे सकता हूं, लेकिन मुझे थोड़ा समय चाहिए। अकबर ने मन ही मन मुस्कुराते हुए बीरबल को समय दे दिया। कुछ दिनों के बाद बीरबल दरबार में आए, तो शहंशाह अकबर से पूछा कि बोलो बीरबल कितने कौवे हैं हमारे राज्य में। बीरबल बोले कि महाराज हमारे राज्य में करीब 323 कौवे हैं। यह सुनते ही सभी दरबारी बीरबल को देखने लगे। फिर बादशाह अकबर बोले कि अगर हमारे राज्य में कौवों की संख्या इससे ज्यादा हुई तो? बीरबल बोले, हो सकता है कि महाराज कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों के यहां आए हों। इस पर बादशाह अकबर ने कहा कि अगर कम हुए तो? तब बीरबल बोले कि हो सकता है कि हमारे राज्य के कौवे दूसरे देश अपने रिश्तेदारों के यहां गए हों। जैसे ही बीरबल ने यह बात कही पूरा दरबार ठहाकों से गूंज उठा और एक बार फिर बीरबल अपनी बुद्धि के कारण प्रसंशा के पात्र बन गए।

कहानी से सीख- बच्चों, इस कहानी से यह सीख मिलती है कि अगर दिमाग का इस्तेमाल किया जाए, तो हर समस्या का हल और सवाल का जवाब ढूंढा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगे। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थियों का कोई प्रोजेक्ट पूरा हो सकता है।

वृषभ

आप यदि किसी नए बिजनेस की शुरुआत करने जा रहे हैं, तो उसमें अपने माता पिता से आशीर्वाद लेकर व अपने भाइयों से सलाह मशवरा करके ही आगे बढ़ें।

मिथुन

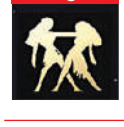

आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी जानकर व्यक्ति से सलाह जरूर लें।

कर्क

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज यदि आप अपने मित्रों के साथ किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो बहुत ही सावधानी से जाएं।

सिंह

आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात होगी।

कन्या

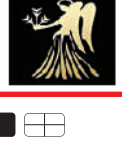

आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। यदि आपका कोर्ट कचहरी या कोई संपत्ति संबंधित वाद विवाद चल रहा है, तो आज उसमे फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

तुला

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए उतम रुप से फलदायक रहेगा। नवविवाहित संपतियों के जीवन में आज किसी नए मेहमान की दस्तक होने की संभावना हो सकती है।

धनु

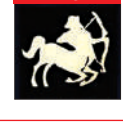

आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नयी योजना बनायेंगे।

मकर

आज का दिन भागदौड़ भरा रहेगा, जिसके कारण आप परिवार के सदस्यों के लिए समय निकालेने मे कामयाब रहेंगे। शादीशुदा लोगों का गृहस्थ जीवन बहुत बढ़िया रहेगा।

कुम्भ

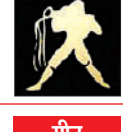

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा, आप अपनी पढ़ाई को लेकर पूरी तरह से अलर्ट रहेंगे।

मीन

आज का दिन आपको मानसिक परेशानियों से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा, लेकिन यदि आज आपके व्यापार के किसी कर्मचारी से कोई नुकसान भी होगा।

बॉलीवुड | प्रमोशन

मुझे 'एनीमल' में रेप सीन करने में कोई झिझक नहीं हुई : बॉबी

लेटेस्ट रिलीज क्राइम थ्रिलर 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। फिल्म में बॉबी देओल के खूंखार रोल ने हर किसी के होश उड़ा दिए हैं। बॉबी ने फिल्म में एक मूक किरदार अबरार का रोल प्ले किया है। जहां बॉबी की एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है तो वहीं फिल्म में उनके मैरिटल रेप सीन को लेकर भी काफी विवाद हो रहा है। इस सीन की सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है। वहीं एक इंटरव्यू में बॉबी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है और इस सीन को लेकर बात की है। 'एनिमल' में बॉबी देओल के मैरिटल रेप सीन पर काफी विवाद हो रहा है। वहीं इसे लेकर बॉबी ने कहा कि इस सीन को फिल्माते समय उन्हें कोई झिझक नहीं हुई। बॉबी ने कहा, जब से मैंने अपने किरदार के बारे में सुना, मुझे पता था कि बिना एक शब्द बोले भी मैं इसमें बहुत कुछ कर सकता हूं। रियल में, बिना एक शब्द बोले मुझे एक तरह की एनर्जी मिली जिससे मेरे अंदर कुछ बाहर आ गया, बॉबी ने कहा, जब मैं परफॉर्म कर रहा था तो मुझे किसी भी तरह की कोई हिचकिचाहट नहीं थी। अपने ग्रे किरदार के बारे में बात करते हुए, बॉबी ने बताया, मैं बस इस किरदार को दर्शा रहा था जो क्रूर है, जो एक दुष्ट आदमी है और वह अपनी महिलाओं के साथ इस तरह से व्यवहार करता है, वह ऐसा ही है। और इस तरह मैंने इसे पोट्रेट किया। वह वास्तव में अपनी तीन पत्नियों के साथ रोमांटिक है। वहीं 'एनिमल' की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के महज 10 दिनों में घरेलू बाजार में 430 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है और अब ये 450 करोड़ क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है। वहीं वर्ल्डवाइड भी 'एनिमल' ने 660 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया और अब ये 700 करोड़ का आंकड़ा पार करने की ओर चल पड़ी है। फिहाल 'एनिमल' ने देश और दुनिया में तहलका मचाया हुआ है। देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर और क्या कमाल कर पाती है।

नाती अगस्त्य के डेब्यू के बाद निराश हैं बिग बी

अमिताभ बच्चन न केवल अपने ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से प्रशंसकों को अपने विचारों और काम के बारे में जानकारी देते हैं, बल्कि नियमित रूप से तस्वीरें भी साझा करते हैं। अभिनेता अक्सर कौन बनेगा करोड़पति के सेट से तस्वीरें साझा करते हैं। हाल ही में साझा किए नए ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने कहा कि वे निराश हैं। उन्होंने कहा कि केबीसी ने हाल ही में उनका सारा समय ले लिया है। इसके अलावा भी कई कारणों से वे निराश हैं। एक ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ ने कहा, जब तस्वीरें ब्लॉग पर अपलोड होने में इतना समय लेती हैं तो निराशा होती है। इसके साथ उन्होंने गुस्से वाली इमोजी भी साझा की। उन्होंने कहा कि वे इंटरनेट की समस्या का सामना कर रहे हैं और वादा करते हैं कि वह जल्द ही ब्लॉग पर लौटेंगे। अपनी निराशा व्यक्त करने के अलावा अमिताभ ने पिछले सप्ताह ब्लॉग पर एमआईए होने के लिए प्रशंसकों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, देरी से कुछ चिंतित ईएफ के बीच चिंता पैदा हो रही है और आलम यह है कि सस्पेंस को सहन करना मुश्किल हो रहा है, इसलिए मैं पहले माफी मांगना चाहता हूं और फिर स्थितियों को स्पष्ट करना चाहता हूं। अमिताभ बच्चन ने कहा, काम का शेड्यूल ऐसा है कि समय अनियमित है और इसलिए ब्लॉग भी, जल्दी कॉल करना और देर से खत्म करना, इनमें से कोई भी बैठने और लिखने के लिए अनुकूल समय नहीं है या तो सुबह या देर रात में, देर रात होती है छह-सात घंटे की नींद लेने की सलाह दी जा रही है, ताकि दिन भर काम करने में मन को परेशानी न हो और चूंकि काम ही सारा दिमाग है, इसलिए यह एक वैध सलाह है, जैसे कि पिछली रात एक के बाद एक तीन एपिसोड थे, अलग सेटिंग, अलग-अलग दर्शक, अलग-अलग किरदार और अलग-अलग समय, सुबह छह बजे से शुरू होकर आज सुबह तीन बजे खत्म हुआ। उन्होंने कहा, केबीसी सीजन के खत्म होने और कलाकारों और क्रू के बीच सभी वापसी के लक्षणों का भी अफसोस है। धैर्य रखें और जल्द ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कुछ इंटरनेट के मुद्दे हैं। हम जल्द ही वापस आएंगे। अमिताभ बच्चन ने कहा कि वह अपने ब्लॉग पर तस्वीरें अपलोड करने में लगने वाले समय के कारण अधिक निराश थे। वहीं बात करें अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्मों के बारे में तो बिग बी आखिरी बार टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन के साथ फिल्म गणपत में नजर आए थे।

'भूल भुलैया 3' में कार्तिक की हीरोइन बनेंगी तृप्ति!

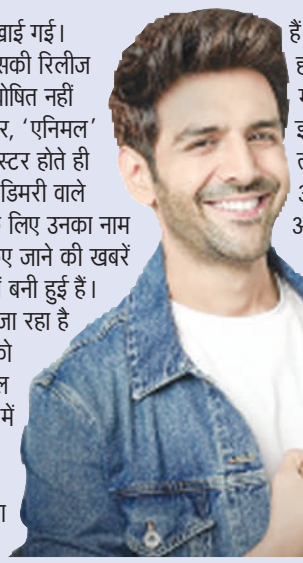

सारा अली खान के प्रशंसकों के लिए एक बुरी खबर है। बताया जा रहा है कि जिस फिल्म 'भूल भुलैया 3' में उनका नाम फाइनल होने की इन दिनों चर्चा है, उसके लिए उन्हें अभी तक साइन नहीं किया गया है। फिल्म की निर्माता कंपनी टी सीरीज इस फिल्म की हीरोइन के लिए तृप्ति डिमरी के नाम पर भी विचार कर रही है, जिन्होंने फिल्म 'एनिमल' में इसकी हीरोइन रश्मिका मंदाना से भी ज्यादा लाइमलाइट लूट ली है। सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान इधर लगातार सुर्खियों में हैं। गोवा में हुए अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह उनकी एक और ओटीटी फिल्म 'ऐ वतन, मेरे वतन' की झलक दिखाई गई। हालांकि इसकी रिलीज डेट अभी घोषित नहीं हुई है। उधर, 'एनिमल' के ब्लॉकबस्टर होते ही इसमें तृप्ति डिमरी वाले किरदार के लिए उनका नाम खारिज किए जाने की खबरें भी सुर्खियां बनी हुई हैं। कहा जा रहा है कि सारा को फिल्म 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन लेकर आना चाह रहे हैं। और, ये कोशिश इसलिए हो रही है ताकि इस फिल्म में तब्बू के काम करने से इंकार की खबरें किसी तरह ठंडी हो जाएं। सारा अली खान ने फिल्म 'लव आजकल' के दौरान कार्तिक से अपनी मोहब्बत का खुलेआम इजहार किया था। लेकिन, फिल्म के फ्लॉप होते ही कार्तिक आर्यन ने इस प्रेम कहानी को वहीं विराम दे दिया। जैसा कि खबरें आती भी रही हैं, कार्तिक का नाम इसके बाद कुछ और नायिकाओं के साथ भी जुड़ा। लेकिन, फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग के दौरान जो कुछ हुआ, वह लोग अभी भूले नहीं हैं।

अजब-गजब | इस ग्रह पर साल में सिर्फ दो बार ही यहां उगता है सूर्य

इस जगह पश्चिम से उगता है सूरज

ब्रह्मांड में ऐसी तमाम चीजें हैं और ऐसे कई फैक्ट हैं, जिनके बारे में हमें ज्यादा कुछ पता नहीं है। हम जब इसके बारे में जानते हैं, तो दंग रह जाते हैं। चूंकि हम धरती पर ही रहते हैं, ऐसे में हमें इस ग्रह से जुड़ी हुई बहुत सी चीजें पता चल चुकी हैं। हालांकि आज भी वैज्ञानिक नए-नए तथ्य बताते ही रहते हैं, जिन्हें हम रूटीन समझते थे, लेकिन इसमें भी विज्ञान छिपा है। आज हम आपको एक ऐसे ही अद्भुत तथ्य के बारे में बताएंगे।

धरती पर हम 24 घंटे में एक बार सूर्य को उगते हुए देखते हैं और फिर ये ढल भी जाता है। ये प्रक्रिया चलती रहती है और बचपन से इसे देखते हुए ये हमें कुछ नया भी नहीं लगता है। पर क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी जगह भी है, जहां सूर्य साल में सिर्फ 2 बर उगता है और यहां एक दिन की लंबाई साल से भी ज्यादा होती है? हैरान हो गए ना? चलिए आपको बताते हैं इस जगह के बारे में और भी दिलचस्प तथ्य।

हम जिस जगह की बात कर रहे हैं, वो धरती पर मौजूद नहीं है, लेकिन इसी ब्रह्मांड का हिस्सा है, जहां हमारी पृथ्वी भी मौजूद है। ये धरती से सबसे नजदीक और सूर्य से दूसरे नंबर की दूरी पर आने वाला ग्रह वीनस यानि शुक्र है। सबसे चमकीले और जहरीले वातावरण की वजह से पहचाने जाने वाले शुक्र ग्रह पर सूर्योदय 117 दिन में एक बार होता है। चूंकि इस ग्रह पर एक साल 225 दिन का होता है, ऐसे में साल में सिर्फ दो बार ही यहां सूर्य उगता है। मजे की बात ये भी है कि शुक्र चूंकि पीछे की ओर घूमता है, ऐसे में सूर्य भी पश्चिम से उगता है और पूरब में ढलता है। शुक्र ग्रह को जो बात और भी दिलचस्प बनाती है, वो ये कि यहां पर दिन की लंबाई धरती की तरह 24 घंटे नहीं होती है। शुक्र की गति ऐसी है कि इसे अपनी धुरी पर घूमने में पृथ्वी के समय के मुताबिक 243 दिन लग जाते हैं। वहीं सूर्य का एक चक्कर लगाने में शुक्र ग्रह को 225 दिन लगते हैं। ऐसे में इस जगह पर एक दिन की लंबाई एक साल से भी ज्यादा होती है। दिन बीत नहीं पाता है और सूरज 2 बार उगकर ढल भी जाता है। एक बात और, धरती की तरह शुक्र ग्रह का अपना कोई चांद भी नहीं है।

साल में सिर्फ 2 महीने ही मिलता है ये फल, कई बीमारियों में है लाभकारी!

भगवान ने दुनिया में कई तरह की चीजों का निर्माण किया है। आज जिन विटामिन्स और मिनरल्स को इंसान दवाइयों के जरिये बॉडी में ले रहा है, उसके लिए कई तरह के फल और सब्जियां प्रकृति ने उपलब्ध करवाई है। लेकिन इंसान समय रहते इन सारी चीजों का महत्व नहीं समझ पाता और प्राकृतिक चीजों पर निर्भर करने की जगह दवाइयों का सेवन करने लगता है। वैसे तो दुनिया में मौजूद हर फल और सब्जी में कई तरह के लाभकारी मिनरल्स और विटामिन्स मौजूद हैं, लेकिन आज हम जिस फल की बात करने जा रहे हैं, वो तो विटामिन्स की खान है। हम बात कर रहे हैं लसोड़ा की। लसोड़ा को इंडियन चेरी, ऐसीरियन प्लम, गोंदी, निसोरा आदि कई नामों से भारत में बुलाया जाता है। इसका साइंटिफिक नाम Cordia my×a है, जो औषधीय गुणों की खान है। इस एक फल में इतने गुण होते हैं कि इसके सेवन से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है। आइये इससे जुड़े कुछ फैक्ट्स आपको बताते हैं। लसोड़ा गर्म जलवायु में उगता है। एशिया में थाईलैंड से लेकर सीरिया तक इसके पेड़ देखने को मिलते हैं। इसमें फल साल में सिर्फ दो ही महीने लगते हैं। जुलाई के मौसम में फल लगने शुरू होते हैं तो हरे से पकते हुए गुलाबी या तांबे के रंग के हो जाते हैं। बात अगर इसे खाने के तरीके की करें, तो अगर ये कच्चा है तो आप इसका अचार बना कर खा सकते हैं। कई लोग इसे सूखा कर इसका पाउडर बना लेते हैं। वहीं जब ये पक जाता है तो इसका स्वाद मीठा हो जाता लोग इसे एन्जॉय करते हैं। अब आपको लसोड़ा के गुणों के बारे में बताते हैं। इसके सेवन से खांसी, दमा, स्किन एलर्जी, बुखार आदि में आराम मिलता है। इसका फल मर्दाना ताकत बढ़ाने, नपुंसकता आदि दूर करने में भी मदद करता है। ना सिर्फ इसके फल में औषधीय गुण हैं बल्कि अगर इसकी छाल को कपूर में मिलाकर उससे मालिश की जाए, तो जोड़ों के दर्द से तुरंत आराम मिल जाता है। इसके छाल का काढ़ा भी खांसी में काफी आराम देता है। बात अगर इसकी लकड़ी की करें तो इसका उपयोग ईमारत के निर्माण में किया जाता है। साथ ही इससे बंदूक के कुंदे भी बनाए जाते हैं।

370 के फैसले पर सियासी पार्टियों की रही मिली-जुली राय

भाजपा बड़े शहरों का बना देगी केंद्र शासित प्रदेश : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अनुच्छेद 370 पर कोर्ट के फैसले के बाद से राजनीतिक हल्कों से प्रतिक्रिया आने लगी है। एएमआईएएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा, हम इस फैसले से निराश हैं, कश्मीर हमेशा से भारत का एक अटूट हिस्सा रहा है। अब आने वाले दिनों में भाजपा को कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और मुंबई के केंद्र शासित प्रदेश बनाने से कोई नहीं रोक सकेगा।

केंद्र के सारे दावे खोखले : महबूबा

जम्मू-कश्मीर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती आतंकवादी हमले में मारे गये जम्मू-कश्मीर के पुलिस निरीक्षक मसरूर अहमद वानी के घर शनिवार को गयीं। हम आपको बता दें कि अक्टूबर में वानी जब श्रीनगर में क्रिकेट खेल रहे थे तब लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी ने उन्हें गोली मार दी थी। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को उनकी मृत्यु हो गयी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ईदगाह इलाके के नरवारा में पुलिसकर्मी के घर पर गयीं। इस दौरान महबूबा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के हालात में सुधार आने के केंद्र सरकार के दावे खोखले हैं। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने भी आतंकी हमले में मारे गए जम्मू-कश्मीर पुलिस इंस्पेक्टर मसरूर अहमद वानी के घर का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भाजपा नेता ने कहा कि हमने एक गुणी और सम्मानित व्यक्ति को खो दिया है। उन्होंने कहा कि हिंसा और घृणा के ऐसे कृत्यों को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

कुछ लड़ाइयां हारने के लिए लड़ी जाती : कपिल सिब्बल

सुप्रीम कोर्ट के अनुच्छेद 370 फैसले से कुछ घंटे पहले, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पोस्ट किया कि कुछ लड़ाइयां हारने के लिए लड़ी जाती हैं। इस मामाले में याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, राजीव धवन, जफर शाह, दुष्यंत दवे और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने बहस की थी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य : कर्ण सिंह

कोर्ट के फैसले का जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह के बेटे करन सिंह ने किया स्वागत। वहीं अब इस फैसले के बाद नेताओं की भी प्रतिक्रिया आने लगी है। इसी कड़ी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराजा रहे हरि सिंह के बेटे कर्ण सिंह ने कोर्ट के फैसले को स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मैं इसका स्वागत करता हूं। अब यह स्पष्ट हो गया है कि जो कुछ भी हुआ वह संवैधानिक रूप से वैध है...मैं पीएम मोदी से अनुरोध करता हूं जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए...।

ये स्वागत योग्य फैसला : नड्डा

जेपी नड्डा ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 के विषय में दिये गये फैसले का भाजपा स्वागत करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने धारा 370 और 35ए को हटाने के लिए दिए गये निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है, पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य विचारधारा में जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए मैं और हमारे करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

कोर्ट ने लगाई मुहर, 370 हटाना संवैधानिक था : शाह

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि इससे साबित हो गया कि केंद्र सरकार का फैसला 'पूरी तरह से संवैधानिक था। अमित शाह ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करता हूं, जिसमें अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के फैसले को बरकरार रखा गया है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने हैशटैग 'नया जम्मू कश्मीर भी लिखा उन्होंने कहा कि पांच अगस्त 2019 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का एक 'दूरदर्शी निर्णय लिया।

जम्मू-कश्मीर का स्टेटहुड बहाल होगा : प्रियंका

हम सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पूरी तरह से स्वागत करते हैं. जब अनुच्छेद 370 हटाया गया था, तब भी हमने इसका स्वागत किया था, क्योंकि यह अस्थाई था। इस उस समय पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी यही कहा था। अब बात है कि जम्मू-कश्मीर का स्टेटहुड बहाल होगा। जल्द से जल्द चुनाव होंगे, लोगों की आवाज जल्द से जल्द विधानसभा में गूंजेगी। मैं बस इतना कहूंगी कि 370 हटाना जरूरी था।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला फैसला: योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखने के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत किया और कहा कि यह फैसला 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है आदित्यनाथ ने शीर्ष अदालत के फैसले के बाद 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 और 35 ए के संबंध में दिया गया निर्णय 'अभिनंदनीय है, यह 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है।

हर भारतवासी को हर्षित करने वाला ऐतिहासिक निर्णय : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से मुहर लगाए जाने को हर भारतवासी को हर्षित करने वाला 'ऐतिहासिक निर्णय करार दिया और कहा कि आज जम्मू-कश्मीर विकास के एक 'नये युग में प्रवेश कर चुका है।

तापमान गिरने से ठिठुरे लोग अभी और सताएगी सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सर्दी का सितम धीरे-धीरे बढ़ रहा है। रविवार को बढ़ी ठंड मंगलवार की सुबह और ठिठुराने लगी है। पछुआ हवाओं का असर रातों को सर्द कर रहा है जिससे पारे में गिरावट का दौर जारी है। प्रदेश के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम पारे के साथ मुजफ्फरनगर सबसे ठंडा रहा। लखनऊ में भी तापमान सीजन में पहली बार 10 डिग्री से नीचे आया। सतही स्तर पर हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम की ओर है। आगामी दो-तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही बने रहने के आसार हैं साथ ही हवाओं के प्रभाव से कोहरा भी पड़ने की संभावना है। मुजफ्फरनगर के अलावा बरेली 5.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा। मेरठ में 6.5, नजीबाबाद में 7.2, फुरसतगंज में 8.5, गोरखपुर 8.8, शाहजहांपुर में 8.9, कानपुर में 9.5 और लखनऊ व चुर्क में 9.8 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। अलीगढ़, बलिया, गाजीपुर, उरई, सुल्तानपुर, बहराइच में पारा 10 से 11 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। जबकि प्रदेश में अधिकतम तापमान 22 डिग्री से 27 डिग्री के बीच बना रहा।

18 को अपनी रिपोर्ट सबमिट करेगा एएसआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में हुए सर्वे की रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने सोमवार को दाखिल नहीं किया। रिपोर्ट दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का और समय देने के लिए जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। अदालत ने एएसआइ को 11 दिसंबर को रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था।

एएसआइ की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया कि एएसआइ के सुपरिटेंडिंग आर्कियोलाजिस्ट अविनाश मोहंती की अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने से तबीयत बिगड़ गई। जिसके कारण अदालत में उपस्थित होकर सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने में असमर्थ हैं। ऐसी परिस्थिति में सर्वे रिपोर्ट

ज्ञानवापी मामला

दाखिल करने के लिए कम से कम एक सप्ताह बाद की कोई तिथि तय करना न्याय संगत होगा। जिस पर जिला जज ने 18 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी है। बता दें वजूखाना जहां शिवलिंग मिला उस सील एरिया को छोड़कर पूरे ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक विधि से जांच (एएसआइ सर्वे) का प्रार्थना पत्र मंदिर पक्ष की ओर से बीते 16 मई को जिला जज की अदालत में दाखिल किया गया था। इसे स्वीकार करते हुए 21 जुलाई को जिला न्यायालय ने ज्ञानवापी परिसर (सुप्रीम कोर्ट द्वारा सील क्षेत्र को छोड़कर) का सर्वे करके का आदेश दिया था। इसके खिलाफ प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद (मस्जिद पक्ष) 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट गया।

सुप्रीम कोर्ट ने उसे हाईकोर्ट जाने का आदेश देते हुए 26 जुलाई तक सर्वे पर रोक लगा दी थी। 25 जुलाई को हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए तीन अगस्त तक सर्वे पर रोक लगा दी।

अश्विनी पोनप्पा-तनीषा बनीं युगल चैंपियन

» गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने सुंग शुओ युन और यू चिएन हुई की चीनी ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर गुवाहाटी मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता जो इस जोड़ी का दूसरा सुपर 100 खिताब है। भारतीय महिला युगल जोड़ी अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो ने सुंग शुओ युन और यू चिएन हुई की चीनी ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर गुवाहाटी मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता जो इस जोड़ी का दूसरा सुपर 100 खिताब है।

पिछले हफ्ते लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट की उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की दूसरी वरीय जोड़ी ने दुनिया की 81वें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13 21-19 से हराया। भारतीय जोड़ी का यह तीसरा खिताब है। इस जोड़ी ने इससे पहले अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 और नांतेस अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब भी जीता था। अश्विनी और तनीषा को पहले गेम में विरोधी जोड़ी टक्कर देने में नाकाम रही। भारतीय जोड़ी ने 6-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-7 से आगे थी। अश्विनी और तनीषा को इसके बाद पहला गेम जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई। दूसरे गेम में भी दुनिया की 28वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई और फिर इसे 12-6 तक पहुंचाया। चीनी ताइपे की जोड़ी ने हालांकि इसके बाद जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 11-12 कर दिया। शुओ और चिएन की जोड़ी ने 16-16 पर बराबरी हासिल की और फिर स्कोर 19-19 से बराबर रहा। अश्विनी और तनीषा ने इसके बाद लगातार दो अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया।

कुछ गलतियां की फिर संभल गए हम

अश्विनी ने कहा कि दूसरे गेम में उन्होंने गलतियां की लेकिन उन्होंने और तनीषा ने धैर्य बरकरार रखते हुए करीबी जीत दर्ज की। भारत की सबसे बेहतरीन युगल महिला खिलाड़ियों में से एक अश्विनी ने ज्वाला गुट्टा के साथ काफी सफलता हासिल की। इस जोड़ी ने 2011 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और 2010 तथा 2014 राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। अश्विनी और ज्वाला ने 2012 और 2016 में क्रमशः लंदन और रियो डि जनेरियो में हुए ओलंपिक में भी हिस्सा लिया था लेकिन दोनों बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकीं।

दीक्षांत समारोह आईआईआईटी लखनऊ के दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्री देतीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू। साथ में उपस्थित राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अजेय नहीं है बीजेपी, बदलनी होगी रणनीति : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेलंगाना में नहीं चला मोदी का जादू

मुंबई। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ का संदर्भ देते हुए राउत ने कहा कि अगर गांधी परिवार के आसपास के लोग मोदी तथा शाह (केंद्रीय मंत्री अमित शाह) के अनुकूल राजनीति करेंगे तो 2024 में और खतरा होगा। कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि मोदी का 'जादू' तीन राज्यों में काम आया लेकिन यह तेलंगाना में नहीं चला।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि यह भ्रम है कि कांग्रेस मोदी को हरा नहीं सकती। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव का संदर्भ देते हुए कहा कि कांग्रेस ने पूर्व में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को हराया है, राउत ने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री क्रमश: अशोक गहलोत और भूपेश बघेल ने मुकाबला किया लेकिन इसके बावजूद दोनों राज्यों में कांग्रेस की हार हुई।

राउत पर एफआईआर दर्ज

उद्धव बाला साहब ठाकरे की शिवसेना के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत मुश्किलों में घिर गये हैं। यूबीटी के मुखपत्र सामना में पीएम मोदी के खिलाफ लिखे उनके लेख ने उनको मुश्किलों में डाल दिया है, उनपर यवतमाल जिले के उमरखेड़ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गयी है। सामना में 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लेख लिखा गया था, इस लेख के खिलाफ बीजेपी के यवतमाल के संयोजक नितिन भूतरा की शिकायत के आधार पर धारा 153 (ए), 505 (2) और 124 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। भूतरा ने आरोप लगाया है कि इस लेख में उन्होंने पीएम मोदी के खिलाप आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कांग्रेस को आगाह करते हुए कहा कि अगर गांधी परिवार के नजदीकी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुकूल राजनीति करते रहेंगे तो देश की सबसे पुरानी पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में और मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में राउत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) संबंधी आशंका को उठाने का आह्वान किया।

केरल में सीएम व राज्यपाल में ठनी, लगाए गंभीर आरोप

» विजयन ने मुझे मारने को गुंडे भेजे : आरिफ मोहम्मद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर शारीरिक नुकसान पहुंचाने की साजिश का आरोप लगाते हुए उन पर हमला कराने का आरोप लगाया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर शारीरिक नुकसान पहुंचाने की साजिश का आरोप लगाते हुए उन पर हमला कराने का आरोप लगाया।

यह आरोप सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) की छात्र शाखा, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर राज्यपाल के वाहन पर उस समय हमला करने के बाद आया, जब वह अंदर थे। गुस्से में दिख रहे खान ने दावा किया कि सीएम विजयन ने उन्हें शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए लोगों को भेजने की साजिश रची। राज्यपाल के अनुसार, उनके वाहन को घेर लिया गया और कथित तौर पर सीएम के निर्देश पर प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे लहराए और वाहन पर हमला किया। उन्होंने कहा क्या यह संभव है कि अगर सीएम का कार्यक्रम चल रहा है, तो प्रदर्शनकारियों वाली कारों को वहां जाने की अनुमति दी जाएगी? क्या वे (पुलिस) किसी को भी सीएम की कार के पास आने की इजाजत देंगे? यहां, प्रदर्शनकारियों की कारें वहां खड़ी थीं और पुलिस ने उन्हें अंदर धकेल दिया उनकी गाड़ियाँ और वे भाग गये। समाचार एजेंसी ने खान के हवाले से कहा, तो, यह सीएम हैं, मैं स्पष्ट रूप से कह रहा हूं, जो मुझे शारीरिक रूप से चोट पहुंचाने के लिए साजिश रच रहे हैं और इन लोगों को भेज रहे हैं। गुंडों ने तिरुवनंतपुरम की सड़कों पर कब्जा कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी सरकार की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान मथुरा के पुराने गौरव का एहसास कराने के लिए यूपी सरकार की व्यापक योजना को सुप्रीम कोर्ट ने हरी झंडी दे दी है। बता दें कि मथुरा को हरा भरा बनाकर संवारने के लिए भगवान कृष्ण के पसंदीदा पेड़ लगाने की इजाजत यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी। यूपी सरकार ने इन वनों को प्राचीन वन क्षेत्र पुनर्जन्म योजना का नाम दिया है। मथुरा को लेकर यूपी सरकार ने कहा है कि वो इस क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की पसंद वाले कदम्ब जैसे पेड़ लगाना चाहती है जिससे कि ब्रज भूमि परिक्रमा क्षेत्र का हमारे धार्मिक ग्रंथों में जिस तरह का वर्णन किया गया है ठीक उसी तरह से पुरातन प्रजाति के वनों के जरिए धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सजाना चाहती है. इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से इजाजत मांगी थी।

उमर अब्दुल्ला को नहीं मिलेगा पत्नी से तलाक

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अलग रह रही पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाते वक्त पारिवारिक अदालत के निष्कर्षों से सहमति भी जताई। पारिवारिक अदालत ने कहा था कि उमर अब्दुल्ला के पायल अब्दुल्ला के खिलाफ क्रूरता के आरोप अस्पष्ट हैं। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और विकास महाजन की पीठ ने माना कि पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए माना कि तलाक की याचिका खारिज करने के उसके निर्णय में कोई खामी नहीं थी।

लखनऊ-बहराइच रोड पर दर्दनाक हादसा हेड कांस्टेबल और बेटे समेत तीन की मौत

लखनऊ। लखनऊ -बहराइच मार्ग पर मदन कोठी गांव के निकट सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली में सोमवार रात एक बजे कार पीछे से जा घुसी। हादसे में जिले के रिसिया थाने में तैनात हेड कांस्टेबल, बेटा और चालक की मौत हो गई। जबकि पत्नी और एक बेटा समेत दो घायल हैं। उनका इलाज लखनऊ में चल रहा है। गाजीपुर जनपद के सैदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शेखपुर निवासी सुरेश कुमार त्यागी की तैनाती बहराइच जिले रिसिया थाने में हेड कांस्टेबल के पद पर थे। वह परिवार के साथ गांव में थे। सोमवार को ड्यूटी के लिए हेड कांस्टेबल सुरेश त्यागी (50) रिसिया के लिए रवाना हुए। इसके लिए उन्होंने थाना क्षेत्र के मोपतपुर चौकी निवासी याकूब पुत्र मोहिउद्दीन को गाजीपुर बुलाया। कार में चालक के साथ हेड कांस्टेबल सुरेश त्यागी, पत्नी पुष्पा त्यागी (42) , बेटा बासू (3) और एक अन्य बेटा सवार थे। कार लखनऊ से होते फखरपुर थाना क्षेत्र के मदन कोठी गांव के निकट पहुंची। रात एक बजे कार चालक नियंत्रण खो बैठा। कार ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। जिससे हेड कांस्टेबल ड्राइवर सुरेश त्यागी और और बेटे की मौके पर हो गयी।

फोटो :4 पीएम

आक्रोश लखनऊ बार एसोसिएशन ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट व पुलिस द्वारा गैंगस्टर की कार्रवाई के खिलाफ लखनऊ पुलिस का पुतला फूंका।

राज्यसभा ने जम्मू कश्मीर से जुड़े दो अहम विधेयकों को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के कई सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। गृह मंत्री शाह ने अपने जवाब में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के निर्णय पर उच्चतम न्यायालय का फैसला विपक्षी दलों की बड़ी हार है।

राज्यसभा ने को जम्मू कश्मीर से जुड़े दो अहम विधेयकों को मंजूरी प्रदान कर दी, जिनमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अन्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों को नौकरियों में आरक्षण के साथ ही विधानसभा सीटों की संख्या में वृद्धि के प्रावधान हैं।

योगी सरकार की नाक के नीचे हुई शर्मनाक वारदात

चलती कार में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की नाक नीचे पुलिस कितनी मुस्तैद है इसकी एक बानगी राजधानी लखनऊ में देखने को मिली। पूरे 25 किमी तक एक कार में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता रहा पर पुलिस को भनक भी नहीं लगी। मामला रिपोर्ट लिखवाने के बाद सामने आई। दरअसल सरेशाम हुई इस घटना ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से लेकर बाराबंकी पुलिस तक की सतर्कता की कलई खोल दी।

घटना के अनुसार शाम को हसनगंज थानाक्षेत्र के आइटी चौराहे से छात्रा का वैगनआर कार से सत्यम, सुहैल और असलम ने अपहरण किया।

महानगर (अयोध्या रोड) गाजीपुर विभूतिखंड चिनहट बीबीडी और बाराबंकी नगर कोतवाली क्षेत्र सफेदाबाग तक करीब 25 किमी तक कार में छात्रा को डालकर घूमते रहे। महानगर, (अयोध्या रोड) गाजीपुर, विभूतिखंड, चिनहट, बीबीडी और बाराबंकी नगर कोतवाली क्षेत्र सफेदाबाग तक करीब 25 किमी तक कार में छात्रा को डालकर घूमते रहे। दोनों जनपदों की पुलिस अगर सतर्क होती तो शायद यह दिल दहला देने वाली जघन्य घटना न होती।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।